ऋणनिर्देश

आयुर्वेद एक जिज्ञासा का विषय है और जिज्ञासा ही अनुसंधान की जननी है। अनुसंधान वस्तुतः अत्यन्त कठिन, जटिल कार्य है, जिसके सम्पूर्णता के लिए निश्चित योजना, उचित मार्गदर्शन, उत्साहवर्धन एवं सहयोग की समय-समय पर आवश्यकता होती है। अतः जिन विद्वानों, साहित्यकारों एवं सहयोगियों का सहयोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से शोध कार्य में प्राप्त हुआ, उन सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना मेरा कर्तव्य है।

मैं ऋणी हूँ अपने परमपूज्य माता-पिताजी जिनके सम्पूर्ण योगदान, प्रेरणा एवं शुभाशीर्वाद से ही मैं आयुर्वेद की उच्च शिक्षा ग्रहण कर सका।

सर्वप्रथम मैं शासकीय (स्वसाशी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रीवा, म.प्र. के प्राचार्य **डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ** जी का अत्यंत आभारी हूँ जिनकी अनुमति एवं मार्गदर्शन से मैं यह अध्ययन पूर्ण कर सका।

मेरे शोध निर्देशक पंचकर्म विभाग प्रमुख **डॉ. जिनेश कुमार जैन**, सह-शोध निर्देशक रचना शारीर विभाग प्रमुख **डॉ. ओ. पी. द्विवेदी** जी द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन मिला, साथ ही विषय के चुनाव से लेकर अंतिम कार्य तक अध्ययन, अध्यापन, लेखन, विषय विवेचन का सम्पूर्ण श्रेय भी उन्हे ही जाता है। भ्राता का प्रेम, गुरु का ज्ञान, आचार्य का निर्देश तथा शास्त्रीय गुत्थियों का समाधान उनसे ही प्राप्त हुआ। अतः मेरा मन उनके प्रति सदैव आदर व्यक्त करता रहेगा।

डॉ. प्रभंजन आचार्य, डॉ. पारसनाथ पारस, डॉ आर. पी. तिवारी, डॉ. संजीव खुजे एवं **डॉ. श्वेता अग्रवाल** का भी मैं अत्यंत आभारी हूँ जिन्होंने अपना अमूल्य समय प्रदान कर शोध प्रबंध पूर्ण करने में सहयता की।

डॉ. उमेश शुक्ला, प्राचार्य, पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय, भोपाल एवं **डॉ. जे.पी. चोरसिया,** प्राचार्य, शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन का शोध कार्य पूर्ण करने में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, जबलपुर के प्राचार्य तथा क्रिया शारीर विभाग प्रमुख **डॉ. रविकांत श्रीवास्तव** जी का मैं अत्यंत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे शोधकार्य करने हेतु अनुमति के साथ-साथ चिकित्सालय में रोगियों के परीक्षण हेतु सुविधा प्रदान की है।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, जबलपुर के मेरे साथी मित्रगण **डॉ. एल.एल. अहिरवाल, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. भूपेन्द्र मिश्रा, डॉ. मनोज सिंह** आदि सभी मित्रों का शोधकार्य पूर्ण करने में काफी सहयोग रहा है, मैं सभीी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

सांख्यिकीय अध्ययन हेतु **डॉ. स्वप्निल सिंघई** का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे योग्य मार्गदर्शन दिया।

मैं **डॉ. हरीन्द्र मोहन शुक्ला, डॉ. कलापी पटेल, डॉ. मनीष पटेल, डॉ. सत्यदेव खिचरिया** का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे आवश्यकतानुसार ग्रंथ उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया।

अंत में उन सभी का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं प्ररोक्ष रुप में सहयोग प्रदान किया। सभी रोगी धन्यवाद के पात्र हैं जिनके सहयोग से परिणाम संकलन का कार्य सहजता से सम्पन्न हो सका।

जबतक मैं परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त नहीं करता तब तक मेरा आभार प्रदर्शन पूरा नही हो सकता। मैं सहभागिनी **श्रीमति नीलिमा गुप्ता**, पुत्री **कु. अनमोल** एवं **कु. मुस्कान गुप्ता** को भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनके प्रोत्साहन, समर्पण, त्याग, सहयोग से मैं अपना कार्य आसानी से समय पर पूर्ण कर सका।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के लेखन में त्रुटियों को दूर करने का यथा सम्भव प्रयास किया गया तथापि मनुष्य की स्वभाववश त्रुटियां रहना सम्भव है। अतः विद्वान पाठकगण अन्यथा न लेकर क्षमा करते हुए शुभाशीर्वाद प्रदान करेंगे।

अंत में पुनः सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद!

डॉ. राजेन्द्र कुमार गुप्ता